कार्ड टोकनाइज़ेशन

प्रलिम्सि के लयि:

आरबीआई, कार्ड टोकनाइज़ेशन, कार्ड-ऑन-फाइल।

मेन्स के लयि:

आरबीआई की रपिोर्ट, कार्ड टोकनाइज़ेशन, कार्ड-ऑन-फाइल।

चर्चा में क्यों?

भारतीय रज़िर्व बैंक (RBI) ने कार्डधारकों को व्यवधान और असुवधिा से बचने हेतु डेबटि और क्रेडटि कार्ड के टोकनाइज़ेशन के लयि समय सीमा 30 सतिंबर, 2022 तक तीन महीने बढ़ा दी है।

- 30 सतिंबर के बाद कार्ड जारीकर्ताओं और कार्ड नेटवर्क के अलावा कार्ड लेन-देन या भुगतान श्रृंखला में कसिी भी इकाई को CoF (कार्ड-ऑन-फाइल डेटा या वास्तवकि कार्ड डेटा का भंडारण) को संग्रहीत नहीं करना चाहयि इसके अलावा पहले संग्रहीत ऐसे कसिी भी डेटा को समाप्त कर दयिा जाएगा।

टोकनाइज़ेशन और कार्ड-ऑन-फाइल:

- **टोकनाइज़ेशन**: यह **वास्तवकि क्रेडटि और डेबटि कार्ड के ववरिण को "टोकन"** नामक एक **वैकल्पकि कोड के साथ बदलने** को संदर्भति करता है, जो कार्ड, टोकन अनुरोधकर्ता और डवािइस के संयोजन के लयि अद्वतिीय होगा।
    - एक **टोकनयुक्त कार्ड** लेन-देन को **सुरक्षति** माना जाता है क्योंकि लेनदेन प्रक्रयिा के दौरान वास्तवकि कार्ड ववरिण व्यापारी के साथ साझा नहीं कयिा जाता है।
    - जनि ग्राहकों के पास टोकन की सुवधिा नहीं है, उन्हें हर बार ऑनलाइन कुछ ऑर्डर करने पर अपना नाम, 16 अंकों का कार्ड नंबर, समाप्ति तथि और CVV दर्ज करना होगा।
    - अब तक करीब 19.5 करोड़ टोकन बनाए जा चुके हैं। कार्डधारकों के लयि CoFT **(टोकन बनाना) का वकिल्प स्वैच्छकि है।**
- **कार्ड-ऑन-फाइल:** CoF लेनदेन एक ऐसा लेन-देन है जहाँ कार्डधारक ने कार्डधारक के मास्टरकार्ड या वीज़ा भुगतान ववरिण को संग्रहीत करने हेतु एक व्यापारी को अधकिृत कयिा है।
- कार्डधारक तब उसी व्यापारी को अपने संग्रहीत मास्टरकार्ड या वीज़ा खाते से ही बलि करने के लयि अधकिृत करता है।
    - ई-कॉमर्स कंपनयिाँ और एयरलाइंस तथा सुपरमार्केट चेन सामान्य रूप से अपने सस्टिम में कार्ड ववरिण को संग्रहीत करते हैं।

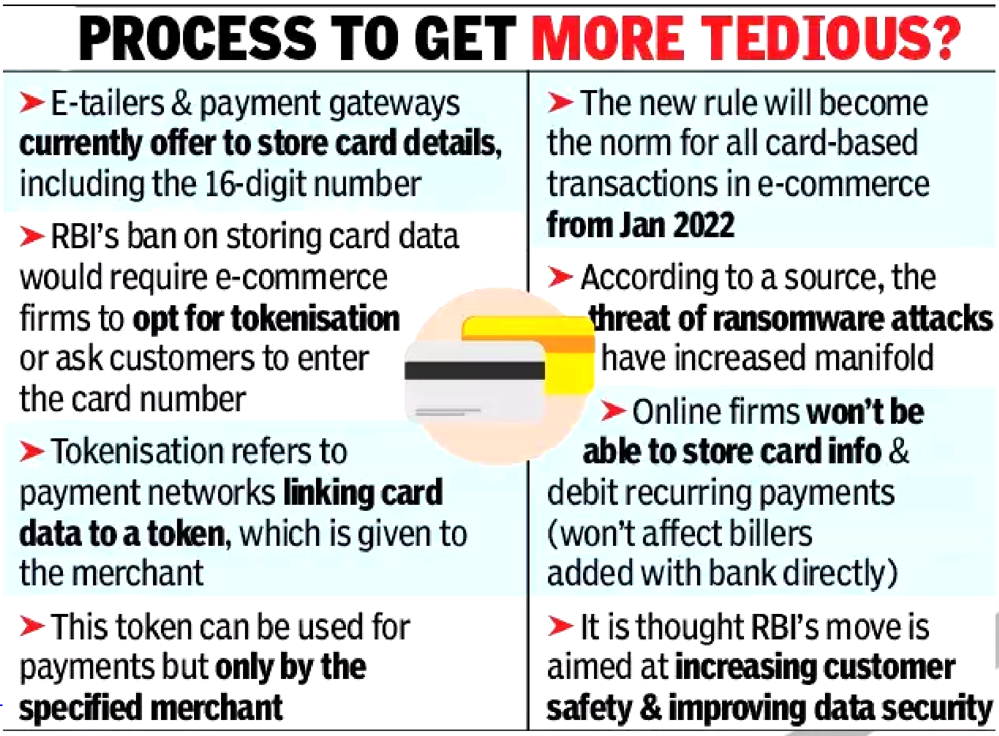

- **कार्डों का टोकनीकरण क्यों आवश्यक है?**
  - एक ऑनलाइन कार्ड लेन-देन शृंखला में शामलि कई संस्थाएँ भवषि्य में लेन-देन करने के लयि कार्ड डेटा जैसे कार्ड नंबर और समाप्त तिथि कार्ड-ऑन-फाइल स्टोर करती हैं। हालाँकि यह अभ्यास सुवधिाजनक प्रदान करता है, कई संस्थाओं के साथ कार्ड वविरण की उपलब्धता से कार्ड डेटा चोरी या दुरुपयोग होने का खतरा बढ़ जाता है।
  - ऐसे कई उदाहरण हैं जहाँ व्यापारयिों द्वारा संग्रहीत ऐसे ही डेटा से समझौता कयिा गया है।
  - कई क्षेत्राधकिार कार्ड लेन-देन को प्रमाणति करने के लयि **प्रमाणीकरण के अतरिक्ति कारक (AFA)** अनविार्य नहीं है, धोखेबाजों के हाथों चोरी कयि गए डेटा के परणािमस्वरूप **अनधकिृत लेन-देन** हो सकता है और **कार्डधारकों को मौद्रकि नुकसान हो सकता** है। भारत के भीतर भी ऐसे डेटा का उपयोग करके धोखाधड़ी करने के लयि **सोशल इंजीनयिरगि तकनीकों को नयिोजति** कयिा जा सकता है।

यू.पी.एस.सी. सवलि सेवा परीक्षा, वगित वर्षों के प्रश्न

प्र. भारतीय रज़िर्व बैंक (RBI) बैंकरों के बैंको (केंद्रीय बैंक) के रूप में कार्य करता है। इसका/इसके अर्थ नम्निलखिति में से कौन-सा/से है/हैं? (2012)

1. अन्य बैंक RBI के पास अपनी जमा संचति रखते हैं।
2. आवश्यकता के समय RBI वणज्यिकि बैंको को ऋण देता है।
3. RBI वणज्यिकि बैंको को मौद्रकि वषियों पर परामर्श देता है।

नीचे दयि गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनयि:

(a) केवल 2 और 3
(b) केवल 1 और 2
(c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2, और 3

उत्तर: (d)

- भारतीय रज़िर्व बैंक का उद्भव वर्ष 1926 में देखा जा सकता है, जब भारतीय मुद्रा और वत्ति पर रॉयल कमीशन (जसि हल्टिन-यंग कमीशन के रूप में भी जाना जाता है) ने मुद्रा और क्रेडटि के नयिंत्रण को अलग करने के लयि भारत हेतु एक केंद्रीय बैंक के नर्मिाण की सफिारशि की थी। सरकार से और पूरे देश में बैंकगि सुवधिाओं को बढ़ाने के लयि वर्ष 1934 के भारतीय रज़िर्व बैंक अधनियिम के तहत रज़िर्व बैंक की स्थापना की गई।
- **बैंकर्स बैंक और पर्यवेक्षक के रूप में आरबीआई की भूमकिा:**
  - RBI बैंकों की नगदी का एक हसि्सा अपने पास रखता है तथा उन्हें छोटी अवधकि के लयि धन उधार देता है और उन्हें केंद्रीकृत समाशोधन एवं सस्ती और त्वरति प्रेषण सुवधिाएँ प्रदान करता है। **अत: कथन 2 सही है।**
  - RBI को वैधानकि रूप से अधकिृत है कि वह अनुसूचति वाणज्यिकि बैंकों को अपनी शुद्ध मांग समय देयताओं (NDTL) का एक नर्धिारति अनुपात जमा करे। **अत: कथन 1 सही है।**

- बैंकों के बैंकर के रूप में, रिज़र्व बैंक 'अंतिम ऋणदाता' के रूप में भी कार्य करता है। यह एक ऐसे बैंक के बचाव में आ सकता है जो सॉल्वेंट है, लेकिन अस्थायी तरलता की समस्याओं का सामना करता है, जब उसे बहुत आवश्यक तरलता की आपूर्ति होती है, जब कोई और उस बैंक को ऋण देने के लिये तैयार नहीं होता है।
- RBI को अंतिम ऋणदाता के रूप में कार्य करना चाहिये।
- RBI मौद्रिक मामलों में वाणिज्यिक बैंकों की निगरानी करता है तथा उन्हें सलाह भी देता है। **अत: कथन 3 सही है**

अत: विकल्प (D) सही उत्तर है।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/card-tokenisation